भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4007

17 मार्च, 2026 को उत्तरार्थ

विषय: तमिलनाडु में नारियल विकास बोर्ड द्वारा पहलें

4007. श्री जी. सेल्वमः

श्री नवसकनी के.:

श्री सी. एन. अन्नादुरईः

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि नारियल विकास बोर्ड तमिलनाडु में पुनः पौधरोपण और उनका जीर्णोद्धार करने, क्षेत्रफल में विस्तार, गुणवत्तापूर्ण नर्सरियों की स्थापना और एकीकृत कृषि पद्धतियों सहित नारियल उत्पादन, उत्पादकता और किसानों की आय में वृद्धि करने के लिए अनेक पहलों का कार्यान्वयन कर रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान राज्य में पुनः पौधरोपण और उनका जीर्णोद्धार करने संबंधी योजना तथा क्षेत्रफल विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत कितनी वास्तविक और वित्तीय प्रगति हुई है:

(ग) तमिलनाडु में समर्थित नारियल नर्सरियों, प्रदर्शन भूखंडों, उत्पादक समितियों और परिसंघों की संख्या कितनी है और इनका लघु और सीमांत नारियल उत्पादकों पर क्या प्रभाव पड़ा है;

(घ) श्रमिकों की कमी को दूर करने के लिए फ्रेंड्स ऑफ कोकोनट ट्री और कोकोमित्र कार्यक्रमों के अंतर्गत कितना प्रशिक्षण प्रदान किया गया है; और

(ङ) तमिलनाडु में नारियल उत्पादक किसानों की आजीविका में और सुधार लाने के लिए कीट और रोग प्रबंधन, मूल्यवर्धन इकाइयों और बाजार संपर्कों को सुदृढ़ करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री भागीरथ चौधरी)

(क): जी हाँ। सरकार को इस बात की जानकारी है कि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अधीन नारियल विकास बोर्ड (सीडीबी) तमिलनाडु में नारियल उत्पादन, उत्पादकता और किसानों की आय में सुधार लाने के लिए कई पहलें कार्यान्वित कर रहा है जिनमें पुनर्रोपण एवं जीर्णोद्धार, क्षेत्र विस्तार, गुणवत्तापूर्ण नर्सरियों की स्थापना और एकीकृत कृषि पद्धतियाँ शामिल हैं। ये पहलें विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं/कार्यक्रमों का मुख्य विवरण **अनुबंध-I** पर दिया गया है।

(ख): तमिलनाडु में पिछले तीन वर्षों (वर्ष 2022-23 से 2024-25) के दौरान नारियल वृक्षों के पुनर्रोपण एवं जीर्णोद्धार योजना के तहत 8888.88 हेक्टेयर क्षेत्र में 4178.46 लाख रुपये की धनराशि का उपयोग किया गया है।

इसके अतिरिक्त, क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम के तहत, पिछले तीन वर्षों में 220.89 लाख रुपये की वित्तीय सहायता से राज्य में 1824.72 हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र में नारियल की खेती शुरू की गई है जिससे संभावना वाले क्षेत्रों में नारियल का कवरेज बढ़ा है। इन योजनाओं के अंतर्गत पिछले तीन वर्षों में प्राप्त वास्तविक और वित्तीय उपलब्धियों का विवरण **अनुबंध-II** पर दिया गया है।

(ग): तमिलनाडु में समर्थित नारियल नर्सरियों, प्रदर्शन भूखंडों और कंपनियों का विवरण और लघु एवं सीमांत नारियल उत्पादकों पर उनके प्रभाव का विवरण **अनुबंध-III** पर है।

(घ): द फ्रेंड्स ऑफ कोकोनट ट्री (एफओसीटी) और कोकोमित्र कार्यक्रम का उद्देश्य कुशल नारियल क्लाइंबर्स को प्रशिक्षण देकर नारियल की तुड़ाई में श्रमिकों की कमी को दूर करना है। एफओसीटी कार्यक्रम के तहत, पिछले तीन वर्षों में तमिलनाडु में प्रशिक्षण आयोजित किया गया है जिससे 320 नारियल क्लाइंबर्स को लाभ हुआ है। वर्ष-वार विवरण निम्नानुसार है:

वित्तीय वर्ष	**लाभार्थियों की संख्या**
2022-2023	140
2023-2024	100
2024-2025	80
कुल	**320**

(ङ): तमिलनाडु में नारियल किसानों की आजीविका को और बेहतर बनाने के लिए कीट और रोग प्रबंधन, मूल्यवर्धन इकाइयों और मार्केट लिंकेज को सुदृढ़ बनाने हेतु उठाए जा रहे कदमों को निम्नानुसार सारणीबद्ध किया गया है:-

- कीट और रोग प्रबंधन: कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत, नारियल विकास बोर्ड (सीडीबी), 'नारियल बागानों का पुनर्रोपण और नवीनीकरण' योजना को कार्यान्वित कर रहा है, जो रोगग्रस्तअनुत्पादक, पुराने और जीर्ण नारियल के पेड़ों को हटाने, गुणवत्तापूर्ण बीजों के साथ पुनर्रोपण करने और शेष पेड़ों को कीट और रोग नियंत्रण सहित एकीकृत प्रबंधन पद्धतियों के माध्यम से पुनर्जीवित करके नारियल की उत्पादकता और उत्पादन बढ़ाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। पिछले तीन वर्षों के दौरान तमिलनाडु में 8888.88 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हुए 4178.46 लाख रुपये का उपयोग किया गया है।

इसके अतिरिक्त, वर्ष 2025-26 में लेइंग आउट ऑफ डेमोंस्ट्रेशन प्लॉट्स (एलओडीपी) स्कीम का नाम बदलकर प्रोडक्टिविटी इम्प्रूवमेंट थ्रू कोकोनट-बेस्ड क्रॉपिंग सिस्टम (पीआईसीसीएस) कर दिया गया है जिसमें बेहतर खेती और एकीकृत कृषि प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन के लिए 1866.27 लाख रुपये की वित्तीय सहायता के साथ 8724.60 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर किया गया है।

- मूल्य वर्धन: पिछले तीन वर्षों के दौरान, 406.92 लाख रुपये की स्वीकृत सहायता के साथ नारियल प्रौद्योगिकी मिशन (टीएमओसी) के तहत 13 नारियल प्रोसेसिंग यूनिट्स स्थापित की गई हैं। ये यूनिट्स वर्जिन कोकोनट ऑयल, डेसिकेटेड नारियल, नीरा, पैक्ड टेंडर कोकोनट वाटर, शेल चारकोल और एक्टिवेटेड कार्बन जैसे मूल्य वर्धित प्रोडक्ट का उत्पादन करती हैं।
- मार्केट लिंकेज: कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अधीन नारियल विकास बोर्ड, मार्केट इंटेलिजेंस एंड रिसर्च, स्टैटिस्टिक्स, प्रोडक्ट एंड ब्रांड प्रमोशन एंड एक्सपोर्ट प्रमोशन सर्विसेज स्कीम के तहत निर्यात उत्कृष्टता पुरस्कार, उद्यमियों और निर्यातकों के लिए सेमिनार/कार्यशालाओं का आयोजन, प्रमुख राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मेलों और बायर-सेलर मीट्स में कोकोनट पवेलियन की स्थापना जैसी निर्यात संवर्धन गतिविधियां करता है। पिछले तीन सालों में, बोर्ड ने तमिलनाडु से कुल 11 उद्यमियों/एक्सपोर्टर्स को मदद दी है (4 उद्यमियों/एक्सपोर्टर्स को नेशनल रिवर्स बायर-सेलर मीट्स में हिस्सा लेने के लिए और 7 को डोमेस्टिक/इंटरनेशनल ट्रेड फेयर्स में हिस्सा लेने के लिए)। इंटरनेशनल कोकोनट कम्युनिटी के साथ मिलकर कोयंबटूर में इंटरनेशनल कोको हेल्थ कॉन्फ्रेंस (2025) भी आयोजित किया गया, जिसमें मार्केट लिंकेज बढ़ाने के लिए 150 फिजिकल और 50 से ज़्यादा वर्चुअल प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

अनुबंध-I

नारियल विकास बोर्ड की योजनाएं

1. गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री का उत्पादन

- **प्रदर्शन-सह-बीज उत्पादन (डीएसपी) फार्म:** सीडीबी, नए डीएसपी फार्मों की स्थापना के साथ-साथ मौजूदा डीएसपी फार्मों के रखरखाव में सहायता करता है। सीडीबी द्वारा 11 फार्म स्थापित किए गए हैं जिनमें से एक तमिलनाडु के उडुमलपेट के धाली में है।

- **पब्लिक सेक्टर की नर्सरी:** गुणवत्तापूर्ण नारियल के पौधे के उत्पादन के लिए 20 रुपये प्रति पौधे की दर से पौधे के उत्पादन की लागत का 50%, 20 रुपये प्रति पौधा दिया जाता है।

- **न्यूक्लियस कोकोनट सीड गार्डन की स्थापना:** परियोजना के आधार पर अधिकतम 4 हेक्टेयर प्रति यूनिट के लिए 3 किस्तों अर्थात 50:25:25; में 50% वित्तीय सहायता (अर्थात 3.60 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर)

2. गुणवत्तापूर्ण नर्सरी की स्थापना के लिए

- **छोटी नारियल नर्सरी की स्थापना:** - 90 रुपये प्रति पौधे तक की सहायता (सार्वजनिक क्षेत्र के लिए लागत का 100% और निजी क्षेत्र की नर्सरी के लिए 50% को कवर करते हुए)।

- **नर्सरी की मान्यता और रेटिंग:** वार्षिक न्यूनतम 20,000 पौध उत्पादन करने वाली नर्सरी के लिए 1.5 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता।

3. नारियल की खेती के तहत क्षेत्र के विस्तार के लिए

- नए नारियल बागानों के लिए 56,000 रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से 2 समान वार्षिक किस्तों में वित्तीय सहायता (न्यूनतम 0.08 हेक्टेयर और अधिकतम 2 हेक्टेयर प्रति लाभार्थी)।

4. एकीकृत खेती और उत्पादकता में सुधार

- **नारियल-आधारित फसल प्रणालियों के माध्यम से उत्पादकता में सुधार (पीआईसीसीएस):** एक एकीकृत कृषि दृष्टिकोण के माध्यम से नारियल किसानों की उत्पादकता और आय बढ़ाने के लिए 42,000 रुपये प्रति हेक्टेयर तक 100% वित्तीय सहायता, जो प्रति लाभार्थी 2 हेक्टेयर तक सीमित है, दो समान वार्षिक किस्तों में प्रदान की जाती है।

- **नारियल बागानों में जल संसाधनों का सृजन (i)** वैयक्तिक किसान द्वारा और (ii) सामुदायिक आधार पर- राष्ट्रीय बागवानी मिशन के मानदंडों के अनुसार सहायता।

- **जैविक खेती को अपनाना और सर्टिफिकेशन:** परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) के तहत कार्यान्वित किया गया।

- **कृषि मशीनीकरण:** कृषि मशीनीकरण उप-मिशन (एसएमएएम) के अनुसार सहायता।

5. नारियल बागानों का रोपण और जीर्णोद्धार

- दो वर्षों में 54,000 रुपये प्रति हेक्टेयर तक की कुल सहायता जिसमें निम्न शामिल हैं:
    - **जीर्ण/रोगग्रस्त पाम पेड़ों को काटना और हटाना**- अधिकतम 32,000 रुपये प्रति हेक्टेयर (32 पाम प्रति हेक्टेयर) के अध्यधीन 1,000 रुपये प्रति पाम
    - **मौजूदा पाम के पेड़ों का जीर्णोद्धार**- 8750 रुपये की 2 वार्षिक किस्तों में 17,500 रुपये प्रति हेक्टेयर
    - **पुनर्रोपण-**अधिकतम 4,500 रुपये/हेक्टेयर के अध्यधीन लागत के 50% की दर से (45 रुपये प्रति पौधा)

6. मूल्यवर्धन और प्रसंस्करण

- **मार्केट इंटेलिजेंस एवं अनुसंधान, उत्पाद एवं ब्रांड संवर्धन एवं निर्यात सेवाएं-** बाजार संवर्धन, बाजार पहुंच विस्तार, उत्पाद गुणवत्ता सुधार, किसानों, प्रोसेसर्स, उद्यमियों और निर्यातकों के लिए नए अवसरों का सृजन और बाजार संवर्धन हेतु व्यापक योजनाएं।
- **नारियल प्रौद्योगिकी मिशन (टीएमओसी) के अंतर्गत,** प्रसंस्करण एवं उत्पाद विविधीकरण परियोजनाओं के लिए सार्वजनिक संस्थानों को 100 लाख रुपये तक का वित्त पोषण प्रदान किया जाता है। सामान्य क्षेत्रों में 25% और उच्च लागत वाले क्षेत्रों में 50% की बैक-एंडेड पूंजीगत सब्सिडी के माध्यम से इन परियोजनाओं को प्रोत्साहन दिया जाता है जिसकी अधिकतम सीमा 500 लाख रुपये है।

    कीट एवं रोग प्रबंधन हेतु प्रौद्योगिकियों के विकास एवं प्रदर्शन पर परियोजनाएं। कीट/रोग नियंत्रण में अनुसंधान एवं विकास या प्रदर्शन करने वाले सार्वजनिक संस्थान 500 लाख रुपये तक के 100% वित्त पोषण के पात्र हैं जबकि ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने पर परियोजना लागत के 25% तक की सब्सिडी दी जाती है।

7. **क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम और सूचना प्रौद्योगिकी-** सटेकहोल्डर्स के लिए प्रशिक्षण, कौशल विकास, जागरूकता कार्यक्रम और आईटी पहल।

8. **सामाजिक सुरक्षा**

- **नारियल पाम बीमा योजनाएं:** नारियल पाम और नारियल क्षेत्र की गतिविधियों में लगे श्रमिकों, दोनों की सुरक्षा करना, जिससे फसल के साथ-साथ श्रमिकों की आजीविका के लिए व्यापक जोखिम कवरेज सुनिश्चित किया जा सके।

- **केरासुरक्षा बीमा योजना -** नारियल सेक्टर में लगे श्रमिकों की आजीविका की सुरक्षा के लिए एक व्यापक ग्रुप पर्सनल एक्सीडेंटल इंश्योरेंस स्कीम। वार्षिक प्रीमियम 956 रुपये है और बोर्ड और लाभार्थी के बीच 85:15 के अनुपात में साझा किया जाता है। आवेदक द्वारा वहन किया जाने वाला प्रीमियम हिस्सा 143 रुपये है।

अनुबंध-II

तमिलनाडु में पिछले 3 वर्षों के दौरान पुनर्रोपण और जीर्णोद्धार (आर एंड आर) और विस्तार (एईपी) योजनाओं के तहत क्षेत्र में उपलब्धि: -

क्र सं	योजनाएं	2022-23		2023-24		2024-25		कुल	
		वास्तविक (हे.)	वित्तीय (लाख रु)	वास्तविक (हे.)	वित्तीय (लाख रु)	वास्तविक (हे.)	वित्तीय (लाख रु)	वास्तविक (हे.)	वित्तीय (लाख रु)
1	**नारियल बागानों (आर एंड आर) का पुनर्रोपण और जीर्णोद्धार**	1850.00	922.41	3000.00	1448.65	4038.88	1807.40	**8888.88**	**4178.46**
2	**नारियल (एईपी) के तहत क्षेत्र का विस्तार**	897.23	142.78	504.68	48.91	422.81	29.20	**1824.72**	**220.89**
	कुल	2747.23	1065.19	3504.68	1497.56	4461.69	1836.60	**10713.60**	**4399.35**

अनुबंध-III

तमिलनाडु में समर्थित नारियल नर्सरियों, प्रदर्शन भूखंडों और कंपनियों का विवरण

श्रेणी	**विवरण**	**प्रभाव**
नारियल नर्सरी	पिछले तीन वर्षों के दौरान, सीडीबी ने 11.49 लाख रुपये की वित्तीय सहायता के साथ 5 छोटी नारियल नर्सरियों की सहायता की। इसके अतिरिक्त, 28.75 लाख गुणवत्ता वाले नारियल के पौधों के उत्पादन के लिए 56 क्षेत्रीय नारियल नर्सरियों को सहायता दी गई, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों (वर्ष 2022-23 से 2024-25) को 459.67 लाख रुपये प्रदान किए गए।	राज्य में किसानों को गुणवत्तापूर्ण नारियल की पौध की उपलब्धता सुनिश्चित की गई।
प्रदर्शन भूखंड	पिछले तीन वर्षों के दौरान 1866.27 लाख रुपये की वित्तीय सहायता के साथ 8724.60 हेक्टेयर क्षेत्र में "प्रदर्शन भूखंड तैयार करना" योजना के तहत 5135 लाभार्थियों के प्रदर्शन भूखंडों को कवर किया गया।	छोटे और सीमांत किसानों के खेतों में एकीकृत प्रबंधन पद्धतियों और नारियल की वैज्ञानिक खेती का प्रदर्शन किया गया।
नारियल उत्पादक कंपनी	वर्ष 2025-26 के दौरान तमिलनाडु में पीआईसीसीएस योजना के तहत 8 नारियल उत्पादक कंपनियों के तहत 1832.69 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करने वाले नारियल किसान क्लस्टर का चयन किया गया है। इसके अतिरिक्त, तमिलनाडु के पल्लाडम में नीरा प्रोसेसिंग एंड पैकिंग यूनिट स्थापित करने के लिए टीएमओसी के तहत 1 नारियल उत्पादक कंपनी की सहायता की गई थी।	वर्ष 2025-26 के दौरान क्लस्टर-आधारित नारियल की वैज्ञानिक खेती के माध्यम से 2561 छोटे और सीमांत नारियल उत्पादकों को लाभान्वित किया गया।

*****